मुझे मिल गया है फिकर करने वाला

जब से मैं खाटू नगर आ गया हु ऐसा लगता है जैसे घर आ गया हु
मुझे मिल गया है फिकर करने वाला हर तरहा से होके बेफिक्र आ गया हु
ऐसा लगता है जैसे घर आ गया हु ....

जग के इशारों पे अब तक नची है ज्यादा गुजर गई थोड़ी बची है
बची हुई लेकर उम्र आ गया हु
ऐसा लगता है जैसे घर आ गया हु ....

मुझको यकीन है वो रोने न देगा,
मुझे दर भरद अब होने न देगा काट के चोरासी का सफ़र आ गया हु
ऐसा लगता है जैसे घर आ गया हु ....

मजबूर होके सुंदर लाल ने पुकारा
किरपा भरी दृष्टि से उसने निहारा
भीड़ में दयालु को नजर आ गया हु
ऐसा लगता है जैसे घर आ गया हु ....

Source: https://www.bharattemples.com/mujhe-mil-geya-hai-fikar-karne-vala/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw